better by the subs., *in what do they d.* : कस्तयोर्भेदः. II. To disagree : विप्रतिपद्यते (पद्, c. 4.) Ph. : *I d. from you* : मम मतं भिन्नम्, *or* तन्मते न वर्ते.

DIFFERENCE : I. Lit. : (1) भेदः, प्र-, वि-, *and (yet) did not find any d. among the five*: भेदं विवेद न च पञ्चसु कञ्चिदेषा, N. xiii. 41. ; *from the d. of the results and subjects of enquiry*: फलजिज्ञास्यभेदात्, S. ; (2) विशेषः (=distinction : q.v.) ; (3) तारतम्यम् (=d. in quality), *O, what a d. in men* : अहो तारतम्यं नराणाम्, Mr. x. ; (4) अन्तरम् (=distance : to contrast two objects), *the d. between you and me is like the d. between the ocean and the pond* : अत्रभवतः किल मम च समुद्र-पल्वलयोरिवान्तरम्, Mal. Ph. : *it makes no d.* : अत्र नास्ति विशेषः. II. Discordance : q.v. : विप्रतिपत्तिः, S. III. Dissension : विवादः. IV. In arith. : अन्तरम्, *sum and d.* : योगान्तरे, Vij.

DIFFERENT : (1) भिन्नः (न्ना, न्नं), वि-, प्र-, *men have d. tastes* : भिन्नरुचिर्हि लोकः, R. ; *not d. from me* : मत्तोऽविभिन्नः, V.p. ; (2) by subs., *made many d. statements* : वाक्यभेदान् बहुनकथयत्, Mu. ii. ; (3) by अन्तरम् affixed, *d. tastes* : रसान्तराणि, R. x. 17. : v. Other : v. Unlike, various.

DIFFERENTIAL : v. Special. *D. coefficient* : *सूक्ष्ममानम्.

DIFFERENTIATE : *सूक्ष्ममानं निरूपयति, (रूप्, c. 10.).

DIFFERENTLY : v. Variously, otherwise.

DIFFICULT : (1) Often by a comp. with दुर्, *d. to understand* : दुर्बोधः (धा, धं) ; *d. to climb* : दुरारोहः (हा, हं) ; *d. to pass* : दुर्गमः (मा, मं) ; (2) दुःख-, कष्ट-, *or* कृच्छ्र-, in comp. (of physical d. ies), *very d. to procure food here* : कष्टतरलभ्याहारमिदं स्थानम्, H. ; (3) विषमः (मा, मं), *although d. political science is dived into*: विषमोऽपि विगाह्यते नयः, Ki. ; (4) कठिनः (ना, नं) (=hard) ; (5) दुरूहः (हा, हं) (=obscure).

DIFFICULTY : I. Arduousness : (1) काठिन्यम् ; (2) वैषम्यम्. *Without any d.* : अनायासेन *or* सुखेन : v. Easily. *With d.* : कथमपि (=somehow), *fixing his speech (i.e. controlling his emotions) with great d.* : कथं कथमपि वचनं संस्थाप्य, V. ii. ; (2) कथञ्चन *or* कथञ्चित् (=कथमपि), *controlled their minds with d.* : कथञ्चिदीशा मनसां बभूवुः, Ku. iii. 34. ; दुःखेन, *was able to feed with d.* दुःखेन भोजयितुं शशाक. : Si. v. 51. ; (4) कृच्छ्रेण, Ki. iii. 42. ; (5) कष्टेन, *with great d.* : महाकष्टेन, M.n. II. Something difficult : (1) कृच्छ्रम्, *in d.s* : कृच्छ्रेषु, Ki. xi. 75. ; (2) सङ्कटम् (=straits), *his understanding not failing in d.s* : कार्यसङ्कटेष्वविषण्णधीः, K. ; (3) विघ्नः (=obstacle : q.v.) ; (4) expr. by adj., *d.s of grammar* : व्याकरणस्य विषमाणि ; *may everybody overcome his d.s* : सर्वस्तरतु दुर्गाणि, V. III. Embarrassment, perplexity : q.v. IV. An objection : q.v.

DIFFIDENCE : I. Distrust : q.v. : अविश्वासः. II. Modesty : q.v. : अप्रगल्भता.

DIFFIDENT : I. Distrustful : q.v. : अविश्वासिन् (f. नी). II. Modest : q.v. (1) अप्रगल्भः (ल्भा, ल्भं) ; (2) विलक्षः (क्षा, क्षं) ; (3) अधृष्टः (ष्टा, ष्टं).

DIFFIDENTLY : (1) अप्रगल्भम् ; (2) सवैलक्ष्यम् : v. Bashfully.

DIFFUSE (v.i.) : (1) वि-सरति (सृ, c. 1.), *the rays of the sun clearly d. d* : स्फुटं विसस्रे सवितुर्मयूखैः, Ki. ; (2) वि-सर्पति (सृप्, c. 1.), *I smelt the d. ing scent of flower*: विसर्पन्तं कुसुमगन्धमभ्यजिघ्रम्, K.: v. To spread.

DIFFUSE (v.t.) : (1) विसारयति (c. of सृ) ; (2) विसर्पयति (c. of सृप्) : v. To spread.

DIFFUSE (adj.) : (1) विस्तृतः (ता, तं) ; (2) विततः (ता, तं) ; (3) सुविस्तरः (रा, रं), *very d. discourse* : सुविस्तरतरा वाचः, Si. ii. 24.

DIFFUSELY : (1) विस्तरशः ; (2) विस्तरेण ; (3) सविस्तरम्, K.

DIFFUSENESS : विस्तारः. N.B. Better expr. by the adj.

DIFFUSION : (1) विसर्पणम् ; (2) विसरः : v. Dissemination, extension.

DIFFUSIVE : (1) विसमरः (रा, रं) ; (2) विसर्पणशीलः (ला, लं).

DIG (v.) : खनति, -ते, (खन्, c. 1.), *d. ging the place* : स्थानं खनित्वा, P. v. 3. : *to d. a well* : कूपं खनति, Sr. ; *to d. gold from the ground* : भूमिं खनित्वा स्वर्णं गृह्णाति *or* भूमेः स्वर्णम् उत्खनति.